

四

五

六

七

八

九

十

十一

十二

十三

十四

十五

十六

四〇

「**藏山經**」
卷之二
藏山經」

65

ਮरिव्येष्म्या ॐ अमृत्युं ॥ उषव्याप्तिर्विनियोगवद्द्वयम् ॥ ९८-
त्रिक्लेशपूर्वक्षेत्रद्वयम् ॥ त्रिव्याप्तिर्विनियोगवद्द्वयम् ॥ ९९-
त्रिव्याप्तिर्विनियोगवद्द्वयम् ॥ त्रिव्याप्तिर्विनियोगवद्द्वयम् ॥ १००-

卷之三

藏文大藏经

卷之三

卷之三

卷之三

ପାତ୍ର

1